तापमान
अधिकतम 20 .5 डिग्री
न्यूनतम 5.8 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि

रोहतक, सोमवार, 29 दिसंबर 2025

11 केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं ...

12 रेजिडेंशियल एरिया से हटाई हाइटेंशन लाइनें

पति से तलाक लेकर लिवइन में रहने पर 25 दिसंबर को सगे भाई ने की थी हत्या, अब खोला राज

ब्यूटी पार्लर संचालिका माया की हत्या का सीन रीक्रिएट, चाकू-बाइक बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

माता दरवाजा के पास स्थित ब्यूटी पार्लर की संचालिका माया की हत्या के मामले में पुलिस ने रविवार को क्राइम सीन को रीक्रिएट किया। पुलिस आरोपी ज्वाला प्रसाद को साथ लेकर ब्यूटी पार्लर पहुंची और विस्तार से पूछताछ की। इस दौरान आरोपी ने बताया कि कैसे उसने अपनी बहन का गला दबाया और फिर तेजधार हथियार से उसके गले पर वार कर उसकी हत्या की। पुलिस ने रिमांड के दौरान आरोपी से चाकू और बाइक को बरामद कर लिया है। आरोपी तीन दिन के रिमांड पर है। ज्वाला प्रसाद की बहन माया का अपनी पति से तलाक हो गया था। इसके बाद वह एक अन्य व्यक्ति के साथ लिव इन में रह रही थी। यह बात उसके भाई ज्वाला को नागवार गुजरी। तभी से वह उसकी हत्या की प्लानिंग कर रहा था। लेकिन माया इस खतरे से अनजान थी। वह रोजाना अपने ब्यूटी पार्लर पर काम करने आती और फिर शाम को अपने घर चली जाती। 25 दिसंबर की सुबह ज्वाला प्रसाद ने अपनी छोटी बहन माया की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी थी। वारदात को अंजाम देने के कुछ देर बाद ही आरोपी को काबू कर लिया गया था।

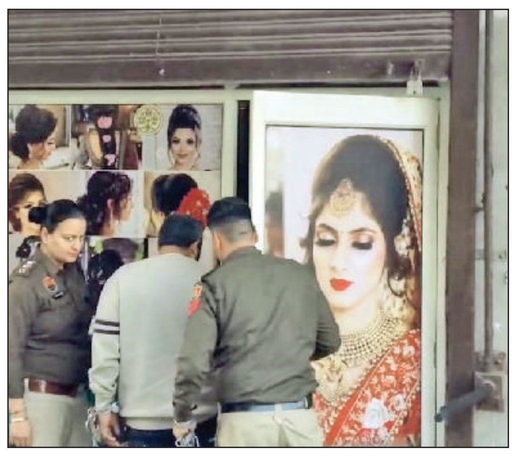

रोहतक। ब्यूटी पार्लर पर पहुंची पुलिस।

आरोपित को लेकर आते ओल्ड सब्जी मंडी पुलिस। फोटो : हरिभूमि

वारदात के दौरान पहने हुए कपड़े व सामान बरामद

पुलिस ने बताया कि वारदात को अंजाम देने वाले ज्वाला प्रसाद से वारदात के दौरान पहने हुए कपड़े, गला काटने वाले चाकू और वारदात में प्रयोग की गई बाइक को बरामद कर लिया है। इस दौरान पुलिस ने ज्वाला प्रसाद से सख्ती से पूछताछ करते हुए सभी तथ्यों की जानकारी ली।

आरोपी बोला माया का चाकू से गला काटा

ओल्ड सब्जी मंडी पुलिस आरोपी को साथ लेकर ब्यूटी पार्लर पहुंची। जहां शटर खोलकर पुलिस ज्वाला को अपने साथ लेकर गई। क्राइम सीन को रीक्रिएट किया गया। ज्वाला प्रसाद ने पुलिस को बताया कि वह किस प्रकार पार्लर के अंदर आया और अंदर जाते ही बहन माया का गला दबा दिया। जब माया बेसुध होकर नीचे गिरी तो उसका गला चाकू से काट दिया।

चश्मदीद ने किया था बचाव का प्रयास

वहीं, मामले में चश्मदीद गवाह सामने आई है। 19 साल की गवाह ने पुलिस व मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज करवाए हैं। उसने आखिरी पलों रौंगटे खड़े कर देने वाली कहानी बताया है। उसने बताया कि माया के भाई ज्वाला ने पार्लर में घुसते ही अपनी बहन का गला पकड़ लिया। वह तब तक गला घोंटता रहा, जब तक वह बेसुध नहीं हो गई। इसके बाद उसे मरी समझ कर फर्श पर पटक दिया। इससे अचानक माया की आखिरी सिसकी निकली। इसके बाद भी ज्वाला नहीं माना। उसने उसकी जान निकालने के लिए चाकू से गर्दन काट दी। चश्मदीद ने माया को बचाने का प्रयास किया लेकिन हत्यारोपी ने उसे जोर से कोहनी मारकर दूर फेंक दिया। इसके वह इतनी सहम गई कि वह दोबारा छुड़वाने की कोशिश नहीं कर सकी। इसके बाद से ही लड़की का स्वास्थ्य खराब है। पुलिस ने उसकी काउंसलिंग की है।

3 दिन के रिमांड पर था आरोपी

पुलिस ने क्राइम सीन को रीक्रिएट किया है। 3 दिन के रिमांड पर पुलिस ने आरोपी से सख्ती से पूछताछ की है। वारदात में प्रयोग सारा सामान बरामद कर लिया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा। **-मीनाक्षी दहिया**, जांच अधिकारी, ओल्ड सब्जी मंडी थाना

शहर में आज

- ▶▶| अंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन।
- ▶▶| रोडवेज डिपो में कर्मचारी यूनियन की मीटिंग।

खबर संक्षेप

युवक को अवैध हथियार सहित किया गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस की सीआईए-1 स्टाफ की टीम ने एक युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी से एक देसी पिस्तौल व एक रौंद बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। सीआईए-1 स्टाफ के निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि मुख्य सिपाही रविंद्र के नेतृत्व मे सीआईए-1 स्टाफ की टीम नजदीक चौगान माता चौक के पास गश्त मे मौजूद थी। दौराने गश्त युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान सुधीर उर्फ निक्का निवासी हाल गद्दी खेडी के रुप में हुई।

ग्रामसभा में हुई नान्दल के विकास पर चर्चा

रोहतक। जिले के खण्ड लाखनमाजरा के गांव नान्दल में ग्रामसभा आयोजित की गई। यह जानकारी देते हुए सरपंच जयप्रकाश नांदल ने बताया की ग्राम सभा की बैठक में नान्दल गांव के विकास कार्यों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर हरियाणा के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता आचार्य डा. मनजीत सिंह दहिया लाखनमाजरा भी विशेष रूप से मौजूद रहे। सरपंच जयप्रकाश नान्दल की अध्यक्षता में हुई ग्राम सभा में ग्रामिणों को पैंशन संबंधी जानकारी दी गई। बैठक में किसी भी व्यक्ति ने आपति दर्ज नहीं कराई। साथ ही गांव के सभी लोगों ने गांव में विकास कार्यों के मुद्दे रखे।

रणबीर पहलवान बने अठगामा के प्रधान

रोहतक। अठगामा बोहर की एक महत्वपूर्ण पंचायत का आयोजन आठगामा के गांव पहरावर स्थित पवित्र स्थल गौशाला में किया गया। पंचायत में आठों गांवों के गणमान्य लोगों सहित 36 बिरादरी के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर निर्णय लिया गया कि अठगामा तपा बोहर की वर्तमान कार्यकारिणी आजीवन कार्य करेगी और जब तक स्वयं इस्तीफा नहीं देगी, तब तक सभी पदाधिकारी अपने पदों पर बने रहेंगे।

एसीबी की कार्रवाई : युवक को झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर रिश्वत लिए

रिश्वत लेने के आरोप में बिजली निगम के जेई व लाइनमैन गिरफ्तार

मकान के एक कमरे से दूसरे कमरे तक डली तार को अवैध बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बिजली निगम के एक जूनियर इंजीनियर (जेई) और एक लाइनमैन को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। दोनों पर एक युवक को बिजली चोरी के झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर 25 हजार रुपये रिश्वत वसूलने का आरोप है। यह कार्रवाई जून 2025 में दर्ज कराई गई शिकायत की जांच के बाद की गई। एसीबी की इस कार्रवाई से बिजली निगम के कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जेई रामकला और लाइनमैन राजेश के रूप में हुई है। जेई रामकला को कुरुक्षेत्र से जबकि लाइनमैन राजेश को रोहतक क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार, शहर निवासी सुमित ने एसीबी को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने एक मकान किराये पर लिया हुआ है। मकान में बिजली कनेक्शन वैध है और वे नियमित रूप से बिजली का बिल भी जमा करते हैं। उन्होंने अपने ही मकान के एक कमरे से दूसरे कमरे तक बिजली की डोरी डाली हुई थी, जिसे लेकर कोई अवैध गतिविधि नहीं थी।

बिजली निगम के कर्मचारियों में भय

इस कार्रवाई के बाद बिजली निगम के कर्मचारियों में भय का माहौल है, वहीं आम लोगों ने एसीबी की इस पहल को सराहा है। लोगों का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा और सरकारी विभागों में पारदर्शिता बढ़ेगी।

8 जून 2025 को जेई लाइनमैन और स्टाफ घर पर पहुंचा

पीड़ित के अनुसार 8 जून 2025 की सुबह बिजली निगम के जेई रामकला, लाइनमैन राजेश और अन्य स्टाफ उनके घर पहुंचे। आते ही अधिकारियों ने उन्हें डराना-धमकाना शुरू कर दिया और बिजली चोरी का आरोप लगा दिया। अधिकारियों ने कहा कि इस मामले में 60 से 70 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके साथ ही यह भी कहा गया कि अगर वे आपस में समझौता कर लें तो मामला दबाया जा सकता है। शिकायतकर्ता के मुताबिक शुरुआत में आरोपियों ने 50 हजार रुपये की मांग की। लगातार दबाव और धमकी के चलते बाद में सौदा 25 हजार रुपये में तय हुआ। 8 जून को ही आरोपियों ने उससे 20 हजार रुपये ले लिए और बाद में 5 हजार रुपये और वसूल लिए। रिश्वत लेने के बावजूद आरोपी अपनी ड्यूटी पर बने रहे।

सुमित ने विजिलेंस में शिकायत दर्ज कराई

घटना से परेशान होकर सुमित ने विजिलेंस कार्यालय में इसकी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर एसीबी ने पूरे मामले की जांच की और आरोप सही पाए जाने पर कार्रवाई की। जांच पूरी होने के बाद रविवार को इंस्पेक्टर भगत सिंह की टीम ने दोनों आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर लिया गया। एसीबी अधिकारियों का कहना है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान लगातार जारी है और सरकारी कर्मचारियों द्वारा आम नागरिकों को डराकर रिश्वत लेने के मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। मामले में आगे की जांच जारी है और अन्य कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

शिक्षा भारती में बास्केटबॉल एवं फुटबॉल टूर्नामेंट संपन्न

खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास, सहयोग और नेतृत्व क्षमता का होता है विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान के तत्वाधान एवं हिंदू शिक्षा समिति द्वारा संरक्षित शिक्षा भारती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गोहाना रोड में आयोजित दो दिवसीय बास्केटबॉल एवं फुटबॉल टूर्नामेंट 2025 का समापन समारोह उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि सुभाष गुप्ता, चेयरमैन कम्युनिटी लाइजन ग्रुप रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि खेल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास, सहयोग और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है, जो जीवन में सफलता की नींव रखते हैं। विद्यालय के कोषाध्यक्ष एस. के. गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और सकारात्मक सोच की ओर प्रेरित करती हैं। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. आदित्य बत्रा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक मजबूती और अनुशासन भी सिखाते हैं। उपाध्यक्ष करन विग, प्रबंधक राम चरण सिंगला, कार्यकारिणी सदस्य बीना कौशिक, डॉ. दिनेश मदान सहित प्रबंध समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

रोहतक। बास्केटबॉल खिलाड़ियों के साथ मुख्य अतिथि सुभाष गुप्ता, चेयरमैन कम्युनिटी लाइजन ग्रुप व विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. आदित्य बत्रा । फोटो : हरिभूमि

राजकीय महिला कॉलेज में स्किन केयर और डेंटल चेक-अप पर शिविर

रोहतक। राजकीय महिला महाविद्यालय में एनएसएस की चारों इकाइयों द्वारा स्किनकेयर और डेंटल चेक-अप विषय पर एक दिवसीय जागरूकता एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम गीत के साथ की गई। शिविर के मुख्य अतिथि कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शमशेर सिंह हुड्डा रहे। शिविर के दौरान इर्विन क्लिनिक रोहतक से डॉ. रिदम छाबड़ा ने छात्राओं को त्वचा की देखभाल से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने अधिक पानी पीने, संतुलित खानपान अपनाने और मोबाइल फोन का सीमित उपयोग करने की सलाह दी।

डॉक्टर्स और मेडिकल छात्रों की सुरक्षा के लिए डीएमए इंडिया की नेशनल लीगल एडवाइजर्स टीम गठित

रोहतक। डेमोक्रेटिक मेडिकल एसोसिएशन (डीएमए इंडिया) ने देशभर के डॉक्टरों, मेडिकल छात्रों और स्वास्थ्यकर्मियों को सशक्त व सुरक्षित करने की दिशा में एक अहम पहल करते हुए राष्ट्रीय स्तर की नेशनल लीगल एडवाइजर्स टीम के गठन की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य चिकित्सकों को संरचित, सुलभ और प्रभावी कानूनी सहायता उपलब्ध कराना है, ताकि वे किसी भी प्रकार के कानूनी दबाव या उत्पीड़न का सामना मजबूती से कर सकें। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहल की शुरुआत डीएमए इंडिया के राष्ट्रीय प्रमुख एवं अध्यक्ष डॉ. अमित व्यास के नेतृत्व में की गई है। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों और मेडिकल छात्रों के अधिकारों, गरिमा और व्यावसायिक सम्मान की रक्षा डीएमए की प्राथमिकता है। संगठन इस दिशा में ठोस और व्यावहारिक कदम उठा रहा है। इस पहल का सक्रिय समन्वय डीएमए के संस्थापक एवं राष्ट्रीय महासचिव डॉ. शुभ प्रताप सोलंकी द्वारा किया जा रहा है। डीएमए की नेशनल लीगल एडवाइजर्स टीम में सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाई कोर्ट के अनुभवी अधिवक्ताओं को शामिल किया गया है। यह टीम कानूनी परामर्श, मेडिको-लीगल मामलों में सहायता, कार्यस्थल पर हिंसा और उत्पीड़न से संरक्षण, झूठे आरोपों में कानूनी समर्थन तथा न्यायिक और प्रशासनिक प्राधिकरणों के समक्ष प्रतिनिधित्व का कार्य करेगी।

- टीम कानूनी परामर्श, लीगल मामलों में सहायता, कार्यस्थल पर हिंसा और उत्पीड़न से संरक्षण, झूठे आरोपों में कानूनी समर्थन तथा समक्ष प्रतिनिधित्व का कार्य करेगी

एमडीएस स्कूल मदीना के वार्षिक समारोह में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बांधा समां

महम। महम चीनी मिल के एमडी मुकुंद तंवर को स्मृति चिन्ह प्रदान करते एमडीएस स्कूल मदीना के डायरेक्टर जितेंद्र दांगी और उनके साथ मौजूद डीईओ बिजेंद्र हुड्डा व अन्य। फोटो : हरिभूमि

महम। एमडीएस पब्लिक स्कूल मदीना में वार्षिक समारोह आयोजित किया गया। महम चीनी मिल के प्रबंध निदेशक एचसीएस अधिकारी मुकुंद तंवर ने समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। रेवाड़ी के जिला शिक्षा अधिकारी बिजेंद्र हुड्डा व महम की खंड शिक्षा अधिकारी सरिता खनगवाल कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। उसके पश्चात विद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग एवं विविध प्रस्तुतियों के माध्यम से अद्भुत प्रतिभा का परिचय दिया। बच्चों ने लोकनृत्य, नाटक, योग प्रदर्शन, विभिन्न संस्कृतियों को दर्शाते समूह नृत्य और आधुनिक कला का प्रदर्शन किया। विद्यालय के डायरेक्टर जितेंद्र दांगी ने विद्यालय की उपलब्धियों, बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन, प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की सफलता और आगामी शैक्षणिक योजनाओं पर प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि मुकुंद तंवर ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों के अनुशासन, कला और मेहनत की सराहना की। बच्चों को जीवन में निरंतर आगे बढ़ने और लक्ष्य निर्धारण करने का संदेश दिया। जिला शिक्षा अधिकारी बिजेंद्र हुड्डा ने विद्यालय की प्रगति, शिक्षा की गुणवत्ता और ग्रामीण क्षेत्र में इस प्रकार के मंच उपलब्ध कराने के प्रयासों की प्रशंसा की। खंड शिक्षा अधिकारी सरिता खनगवाल ने विद्यालय के शिक्षकों, स्टाफ सदस्यों की निष्ठा और विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना की। स्कूल प्रिंसिपल ने विद्यालय की ओर से सभी गणमान्य अतिथियों और अभिभावकों आभार जताया।

मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ एआईयूटीयूसी की राज्य कमेटी की बैठक

रोहतक। केंद्र व राज्य सरकार की मजदूर-कर्मचारी विरोधी और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ केंद्रीय श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी की राज्य कमेटी की बैठक रविवार को आयोजित की गई। बैठक में चार मजदूर विरोधी लेबर कोड, मनरेगा के स्थान पर ग्रामीण रोजगार और आजीविका की गारंटी देने वाले नए कानून की आवश्यकता, निजीकरण की नीति तथा अरावली पर्वतमाला से जुड़े फैसलों की कड़ी निंदा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 15 जनवरी को जींद में होने वाले किसान-मजदूर-बिजली कर्मचारियों के महासम्मेलन में सैकड़ों प्रतिनिधि भाग लेंगे। बैठक की अध्यक्षता एआईयूटीयूसी के प्रदेश अध्यक्ष कामरेड राजेंद्र सिंह ने की, जबकि संचालन राज्य सचिव हरिप्रकाश ने किया।

मौसम — सड़कों पर कम दृश्यता के चलते वाहनों की गति पर लगा ब्रेक

कोहरे और ठंड के बीच बदली दिनचर्या मौसम के मिजाज ने बढ़ाई चुनौतियां

जिले में अधिकतम तापमान 20.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रविवार को मौसम के बदले मिजाज ने शहरवासियों की दिनचर्या को प्रभावित कर दिया। सुबह के समय घने कोहरे और तेज ठंड के कारण आम गतिविधियां देर से शुरू हुईं। सड़कों पर कम दृश्यता के चलते लोग जरूरी कामों के लिए भी सावधानी के साथ घरों से निकले। सुबह के शुरुआती घंटों में वातावरण पूरी तरह ठंड और नमी से भरा रहा, जिससे शहर मानो थमा हुआ सा नजर आया।

हालांकि जैसे-जैसे समय आगे बढ़ा, मौसम ने राहत का रुख अपनाया। सुबह साढ़े सात बजे के बाद कोहरा धीरे-धीरे कम हुआ और आठ बजे के आसपास धूप निकल आई। दिन में खिली धूप ने लोगों को कुछ समय के लिए ठंड से राहत दी।

पार्कों और खुले स्थानों पर लोग धूप सेंकते नजर आए, वहीं दुकानों और बाजारों में चहल-पहल बढ़ी। बावजूद इसके, सुबह और शाम की ठिठुरन ने यह संकेत दे दिया कि सर्दी अब अपने पूरे रंग में है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार रविवार को अधिकतम तापमान 20.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

न्यूनतम तापमान में आई गिरावट के कारण ठंड का असर ज्यादा महसूस किया गया। खासकर बुजुर्गों और बच्चों के लिए सुबह-शाम घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया। दुपहिया वाहन चालकों को सर्द हवाओं का सीधा सामना करना पड़ा। कोहरे का असर केवल सड़कों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि रेल यातायात भी इससे प्रभावित हुआ। कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय से काफी देरी से पहुंचीं, जिससे यात्रियों को स्टेशन पर लंबा इंतजार करना पड़ा। ठंड से बचने के लिए यात्रियों ने अलाव और गर्म चाय का सहारा लिया। इससे रेलवे स्टेशनों पर सर्दी से जूझते यात्रियों की तस्वीर साफ दिखाई दी।

अभी और सताएगी भीषण सर्दी

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले दिनों में भी सुबह और शाम को कोहरा तथा ठंड का असर बना रह सकता है। ऐसे में लोगों को सावधानी बरतने, गर्म कपड़े पहनने और यात्रा के दौरान सतर्क रहने की जरूरत है। बदलते मौसम ने यह साफ कर दिया है कि सर्दी अब पूरी तरह दस्तक दे चुकी है।

खोड़िया नृत्य की परंपरा

हरियाणा में विवाह के समय खोरिया (खोड़िया) एक प्रसिद्ध और मनोरंजक परंपरा है, जो दूल्हे की बारात जाने के बाद घर पर महिलाओं द्वारा निभाई जाती है; इसमें वे मंगल गीत गाती हैं, हंसी-मजाक करती हैं और विवाह के दृश्यों का नाटकीय अभिनय करती हैं। इसमें दूल्हा-दुल्हन और अन्य किरदारों की नकल की जाती है, जिससे उनका मनोरंजन होता है और घर की सुरक्षा भी होती है, साथ ही नवविवाहित जोड़े के सकुशल लौटने की कामना की जाती है।

हरियाणवी लोकगीतों में विवाह संस्कार

हरियाणवी लोकगीत केवल गाए नहीं जाते, वे जिए जाते हैं। इनमें समाज की संरचना है, रिश्तों की मर्यादा है, नारी के अनुभव हैं और जीवन का यथार्थ भी। आज भले ही आधुनिकता की आंधी में डीजे और फिल्मी गीत शादियों का हिस्सा बनते जा रहे हों, लेकिन जब आँगन में कोई बुज़ुर्ग धीमे स्वर में गुनगुनाती है- "बन्नी चली परदेस, छोड़ आई बाबुल का देस.."तो लगता है कि हरियाणा की आत्मा अब भी इन्हीं लोकगीतों में सांस ले रही है। विवाह लोकगीत वास्तव में संस्कृति की वह धरोहर हैं, जो बदलते समाज को उसकी जड़ों से जोड़े रखते हैं।

संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा की गौरवशाली संस्कृति में लोकगीत महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। जहाँ लोकगीत केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जनमानस के दिल की धड़कन अनुभव होते हैं। हरियाणवी लोकगीतों की परंपरा अत्यंत प्राचीन और समृद्ध है, जिसमें विविधता का असीम सागर लहराता है। यहाँ ऋतुओं के बदलने पर 'सावण के गीत' और 'तीज के मल्हार' गाए जाते हैं, तो खेतों में काम करते समय 'जकड़ी' और 'रागिनियों' के स्वर गूंजते हैं। वीर रस से भरे 'आल्हा' जहाँ भुजाओं में बल भरते हैं, वहीं भक्ति रस से सराबोर 'भजन' आत्मिक शांति देते हैं।

हरियाणवी लोकगीतों में अद्भुत विविधता प्राप्त होती है और जीवन के सभी संस्कारों पर गीत गाए जाते हैं, फिर चाहे जन्म हो अथवा मृत्यु है। संस्कारों में अत्यधिक महत्वपूर्ण विवाह संस्कार पर तो इनकी परंपरा बहुत प्रभावित करती है। इस विशाल परंपरा में 'विवाह के गीत' संस्कारों की नींव को मज़बूत करते हैं।

विवाह के संस्कार की शुरुआत सगाई से होती है। जैसे ही रिश्ता तय होता है, घर के आँगन में खुशी की लहर दिखाई देती है। विवाह की रस्में बान और तेल से शुरू होती हैं। हरियाणवी परंपरा में बान 5, 7 या 9 दिन पहले बैठाए जाते हैं। यानी दूल्हा या दुल्हन को शादी वाले दिन तक रोज़ाना हल्दी-तेल (बटना) लगाया जाता है और नहलाया जाता है। इसे ही 'बान फिरना' कहते हैं। इस समय महिलाएं 'तेलन' को संबोधित करते हुए गाती हैं:

"तारो ए तेलन तेल, म्हारे बन्ने कै चढ़ेगा तेल,
हरया-हरया गोबर मंगाओ, आंगण लिपाओ ए...
म्हारा बन्ना बैठैगा ए, बिछाओ रंगीले खेल,
सोने की कटोरी में, तारो ए तेलन तेल।"

इसके बाद जब दूल्हे या दुल्हन को पटड़े (चौकी) पर नहलाया जाता है, तो दादी और ताई 'समंदर के पानी' की उपमा देते हुए बड़े लाड़ से गाती हैं:

"तात्ता पाणी ए समंदरां का, पोता/बेटा न्हाइयो
ए म्हारे दादा/ताऊ/बाबू का....

अंत में तेल चढ़ाते समय घर की बुज़ुर्ग महिलाएँ शगुन मनाती हैं और नज़र उतारती हैं:

"तेल चढ़ाओ ए बन्नो री दादी, लाड लड़ाओ,
तेल चढ़ाओ ए बन्नो री ताई, शगुन मनाओ
म्हारी बन्नो का रूप सवाया, चाँद सा उजियार,
नज़र न लागे किसी की, राखो जी भरतार"

बान के दिन से ही रात के समय महिला संगीत शुरू हो जाता है, जिसमें बन्ना-बन्नी के सौंदर्य, चतुराई और भविष्य की कल्पनाएँ गीतों में ढलती हैं :

"बन्ना तो हांडे अपने बाबा जी की गलियां
दादी तो फिरै रहसी रहसी रे महल में
सेर मोती बारूं जी बन्ने पै
मोती भी वारूं मैं तो हीरे भी वारूं सेर मोती..."

एक और गीत में बन्नी अपने बन्ने को कहती है:

बन्ना जी मैं तो राज घर सै आई
बन्ना जी तेरे बाबा की ऊंची हवेली
बन्ना जी तेरे बाबल की ऊंची हवेली
बन्ना जी मैं तो चढ़ती चढ़ती आई

इसके बाद विवाह के दिन भात से पहले कुम्हार के घर जाकर 'चाक पूजने' की रस्म बहुत महत्वपूर्ण है। यह रस्म सृजन के प्रतीक 'चाक' (पहिए) के प्रति सम्मान व्यक्त करती है ताकि नए दांपत्य जीवन का पहिया भी निर्बाध चलता रहे। महिलाएं गाती हुई जाती हैं:

"चाक पूजन चाल पड़ी, सुहागन नार,
साथ में सखियाँ गावें, मंगल चार
कुम्हारन ए, दे दे मटकिया का साथ,
तेरे चाक पे बनरी की, सुधरेगी बात"

चाक पूजन के बाद विवाह की यात्रा का सबसे भावुक रिवाज होता है 'भात'। बहन विवाह से पहले अपने भाई को न्योता देती है और गीतों के माध्यम से भात के लिए बुलावा देते हुए कहती है:

'बीरा मेरा मान बढ़ाइयो रे,
मैं न्यौतण आई भात
बीरा तीन मंजली हेली ,
मैं ल्याई रे भात की भेली"

इस परंपरा में वह पल बहुत भावुक करने वाला होता है जब विवाह के दिन भाई भात लेकर आता है और बहन आस-पड़ोस की सभी स्त्रियों संग भात लेते हुए गीतों से भाई का स्वागत करती हुई गाती है:

'मत बरसो इन्द्र राजा जी मेरी मां का जाया भीजै
मेरी मां का जाया भीजै, मेरा सगा भतीजा भीजै
मत बरसो इन्द्र राजा जी, मेरी मां का जाया भीजै''

भात लेने के बाद 'मांढा' बंधन की रस्म होती है और गाया जाता है:

किन्नै यो मांढा पिछवाडिआं
किन्नै यो पूर्या सै चोंक
मांढलड़ा सिरी राम का

इसके बाद जब दूल्हा घोड़ी पर चढ़ता है। बैंड बाजे के साथ बहनें और गाँव की महिलाएँ गाती हैं:

मुबारक सादी हो बनड़े ये घोड़ी नाचती आई
तेरे बाबा हजारी नै बड़ी दूरों से मंगवाई
बनड़े की घोड़ी बिदकै मेरा कलेजा धड़कै
सीस बने के सेहरा, लड़ियां से लाल लटकै
गले बने के तोड़ा, घूण्डी से लाल लटकै
हाथ बने के घड़ियां, कांगणे सै लाल लटकै

फिर दूल्हा बारात लेकर ससुराल पहुंचता है तो स्वागत में 'सीठणे' (मीठी गालियाँ) गाए जाते हैं। यह हरियाणवी लोकगीतों का सबसे रोचक पक्ष है, जहाँ समधियों के रंग-रूप और वेशभूषा पर व्यंग्य किए जाते हैं:

'बाज्या रे नगाड़ा रणजीत का जणू हाक्यम आया
अपणी बेबे न छोड़ के हे म्हारे ब्याहवण आया'
'हमने बुलाए गोरे-गोरे, काले-काले आये रे पसेरे,
हमने बुलाए लंबे-लंबे, ओछे-ओछे आये रे पसेरे '

'फेरे' विवाह के पावन बंधन का सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र पड़ाव होता है। जब फेरों के लिए पूजन शुरू होता है तो दुल्हन की सखियां गाती हैं :

दादा देस जांदा परदेस जाइयो म्हारी जोड़ी का बर ढूंडियो
लाडो देस जांदा परदेस जांगा, ढूंडिया सै फूल गुलाब का
ताऊ देस जांदा परदेस जाइयो म्हारी जोड़ी का वर ढूंडियो

अग्नि के सात फेरे लेते समय वधू का अधिकार क्षेत्र बदलता है। हरियाणवी लोकगीतों में हर फेरे के साथ बेटी के 'पराई' होने का दर्द अनुभव किया जा सकता है:

पहला फेरा लीजिए दादा की हे पोती
दूजा फेरा लीजिए ताऊ की हे बेटी
तीजा फेरा लीजिए बाबल की हे बेटी
चौथा फेरा लीजिए काके की हे बेटी
पांचमा फेरा लीजिए मामै की हे भाणजी
छठा फेरा लीजिए नाना की हे दोहती
सातवां फेरा लीजिए लाडो होई पराई

फेरों के बाद 'छन्न' सुनने की रस्म भी होती है जिसमें दूल्हे को छन्न सुनाने के लिए कहा जाता है :

छन्न पक्कियां छन्न पक्कियां, छन्न के ऊपर केसर। सासू मेरी पारवती, सोहरा परमेसर।।

छन्न के बाद विदाई का समय बहुत भावुक करने वाला होता है। बेटी का घर से जाना, बचपन की यादें और माता-पिता का विलाप इन गीतों का मुख्य स्वर होता है। कोयल की उपमा देकर गाया जाने वाला यह गीत अत्यंत मार्मिक है:

"कोयल चालि ए बागां न छोड़ कै,
ए मन्नै कूकर राखोगे मेरी माए...
जिन गलियों में बचपन बीता,
वही गली बिसराई ए,
मात-पिता को छोड़ के बन्नी,
हो गई आज पराई ए"

एक और पारंपरिक विदाई गीत जो मन को छू जाता है:

मेरी बन खंड को कोयल बन खंड छोड़ कहां चली
मेरे ताऊ ने बोले हैं बोल बचन की मारी मैं चली
मेरी बन खंड की कोयल बन खंड छोड़ कहां चली
मेरे बाबुल ने बोले हैं बोल बचन की मारी मैं चाली

दूसरी तरफ बारात के विदा होने के बाद, जब घर सूना हो जाता है, तब 'खोड़िया' का आयोजन होता है। यह स्त्रियों का निजी उत्सव है, जहाँ घूंघट की मर्यादा से परे हटकर वे दूल्हा-दुल्हन बनने का नाटक करती हैं :

"खोड़िया मा खोड़िया, आज म्हारे घर आवे नई बहु,
कोरी-कोरी चांदी का हसला घड़ाया...
आज म्हारे बेटे की सुहाग वाली रात।
दुख भूल कै हँस ले आज, यही है रीति की बात।"

असल में हरियाणवी लोकगीत केवल गाए नहीं जाते, वे जिए जाते हैं। इनमें समाज की संरचना है, रिश्तों की मर्यादा है, नारी के अनुभव हैं और जीवन का यथार्थ भी। आज भले ही आधुनिकता की आंधी में डीजे और फिल्मी गीत शादियों का हिस्सा बनते जा रहे हों, लेकिन जब आँगन में कोई बुज़ुर्ग धीमे स्वर में गुनगुनाती है-"बन्नी चली परदेस, छोड़ आई बाबुल का देस.."तो लगता है कि हरियाणा की आत्मा अब भी इन्हीं लोकगीतों में सांस ले रही है। हरियाणवी विवाह लोकगीत वास्तव में संस्कृति की वह धरोहर हैं, जो समय के साथ बदलते समाज को उसकी जड़ों से जोड़े रखते हैं।

गीत | राजपाल सिंह गुलिया

तेरी खेती हरी-भरी

बुरा न मानै तै भैया कुछ, मैं भी कह द्यूँ खरी -खरी ।
बिना सँभाले सूखण लाग्यी , तेरी खेती हरी-भरी ॥

धन दौलत पा कै नै माणस , देख नसे म्हं चूर हुए ।
काणा कहकै दाम माँगते , ये इतणे मगरूर हुए ॥
जरगी सैं इनकी पुश्तैनी , तलवारें भी धरी - धरी ॥

छोरा रोज रात नै आवै, बाहर तैं ए खा पी कै ।
काल्ह कही तै न्यू बोल्या के ,करणा सै हमनै जी कै ।
बहू रोज याह बिना बात बस, बैठी रह सै डरी -डरी ।

खरा कमावै खोटा खावै , याह होग्यी सै रीत हड़ै ।
बाकलियाँ का ब्यौंत देख कै , गावैं सैं सब गीत हड़ै ॥
किसै न मत छेड़ो भाई , बैठी दुनिया भरी - भरी ।

खरी कहणिया माणस सभ नै , भोत घणे लागैं खोटे ।
साँची कह कै बदनामी के, ये बाँधैं रोज भरोटे ॥
लांछन लाग्याँ पाच्छै बोल्ली, लिकड़ै सै याह मरी-मरी।

गज़ल | रिसाल जांगड़ा

पड़्या मिरे तै काम नहीं सै।
उसने करया सलाम नहीं है।

बिस्तर तो सै सोन्ने का पर,
दिल नै तो आराम नहीं है।

ठूंठ बणी निरधन की जिंदगी,
सिर पै सुख की छाम नहीं है।

उस माणस नै दू रह्या सूँ,
जिसके सिर इलजाम नहीं है।

इस कलजुग की रामायण म्हं,
रावण तो सै राम नहीं है।

जड़ै छिप्या दिन रैन गुजारी
साधू का घर-गाँम नहीं सै।'

रिसाल' चाँद तै यारी लाकै,
सोया रात तमाम नहीं है।

रागनी | सत्यवीर नाहड़िया

बोल्ली या हरयाणी

चाळा करगी-भास्सा बरगी, बोल्ली या हरयाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

आन अनूठी-तान अनूठी, इस बोल्ली की न्यारी।
बोल निराळे-तोल निराळे, जाणै दुनिया सारी।
कड़कै भारी-पर सै प्यारी, बोल्ली सिद्धी-स्याणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

इस म्हैं पाणा-यो हरयाणा, गीत-रागनी न्यारी।
पाड़ैं चाळे-सांग निराळे, भजन-सबद लयकारी।
छप ल्यी सारी-साखी भारी, कबिता कथा-कहाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

धूम मचावै-झट छा ज्यावै, जित जा खुलकै बोल्ली।
गुँज्जै न्यारी-बोल्ली म्हारी, बोल्लीबुड नै तोल्ली।
लखमी डोल्ली-इस म्हैं झोल्ली,तकत-तोड़ थी गाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, या सै भोत पुराणी।।

मिट ज्या रास्सा-पलटै पास्सा, अंबर गान चढ़ावै।
सभनै आस्सा-बणकै भास्सा, माट्टी-मान बढ़ावै।
दिन वो आवै-मंगळ गावै, 'नाहड़िया' की बाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

जागीर

आयरलैंड वासी जार्ज थॉमस ने वर्ष 1797 में हांसी को अपने नवगठित राज्य हरियाणा की राजधानी बनाया था

ऐतिहासिक नगर हांसी का प्राचीन रुतबा बहाल

इतिहास | यशपाल गुलिया

हरियाणा सरकार ने हांसी को एक नया जिला बनाकर इस ऐतिहासिक नगर के गौरवमयी रुतबे को पुनर्जीवित कर दिया है। सदियों पुराने इस ऐतिहासिक नगर का प्राचीन नाम आसिका होता था जो शाही सुलेमान मार्ग पर स्थित था। यहां के ऐतिहासिक किले का निर्माण सम्राट पृथ्वीराज द्वारा किया गया था। इसका समय-समय पर शासकों ने भरपूर उपयोग किया था।

आयरलैंड वासी जार्ज थॉमस द्वारा वर्ष 1797 में हांसी को अपने नवगठित राज्य हरियाणा की राजधानी बना लिया था। प्राचीन किले में उसने सिक्के ढालने के वास्ते टकसाल भी स्थापित की थी, लेकिन चार वर्षों बाद 1801 में एक लम्बे लड़े गए युद्ध के बाद उसको हांसी से प्रस्थान करना पड़ा। फिर अंग्रेजों ने 1809-10 में हांसी में अपनी नई रिसाला छावनी स्थापित की तथा कुछ वर्षों बाद हांसी क्षेत्र कर्नल स्कीनर को जागीर के तौर पर प्रदान किया गया। स्कीनर की मृत्यु के बाद अंग्रेजों ने फिर एक बार हांसी के रुतबे को कम कर दिया था, लेकिन वही हांसी का किला 1857 में अंग्रेजों का महत्वपूर्ण मुख्यालय भी बना। इसमें पंजाब के फिरोजपुर से कोर्टलैन्ड अंग्रेज के नेतृत्व में एक नवगवित सेना हांसी में पहुंच गई तथा हरियाणा क्षेत्र के क्रांतिकारियों को दिल्ली जाने से रोकने में सफल भी रही। दिल्ली स्थित अंग्रेज सेना को कवच प्रदान करने वाली उस सेना को हरियाणा फील्ड फोर्स का नाम दिया गया था जो हांसी के किले में लगभग एक वर्ष तक जमी रही और वहीं से उस सेना ने ओढ़ां, खैरिका व जमालपुर आदि स्थानों पर क्रांतिकारियों से भीषण युद्ध किए थे।

हांसी नगर का ऐतिहासिक बड़सी गेट का दृश्य।

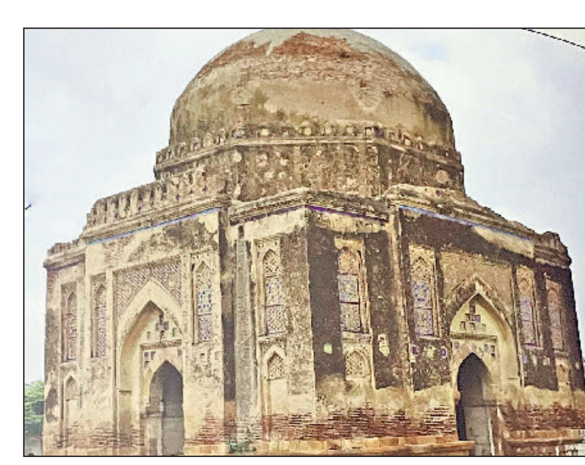

हांसी में स्थित अली तज्जार का मकबरा।

यहां चार कुतुब विराजमान

मुस्लिम समुदाय के विख्यात धार्मिक चार कुतुबों के यहां विराजमान रहने के कारण भी हांसी प्रसिद्ध नगर रहा था। नगर के चारों तरफ खिलजी सुलतान ने वर्ष 1300 के आसपास एक दीवार भी निर्मित करवाई थी जिसमें पांच प्रवेशद्वार थे। उन्हीं में से एक बड़सी गेट पर शिलालेख भी मौजूद है। ऐसे प्राचीन ऐतिहासिक नगर को अब एक जिले का दर्जा देकर मुख्यमन्त्री नायब सैनी ने सराहनीय कार्य किया है। इसी हांसी नगर में अंग्रेजों का ज्यादातर वास्ता रहने के कारण ही हिसार में घोड़ा फार्म स्थापित हुआ था। हांसी नगर में चार कुतुब परिसर के पास अली- तज्जार व लखी बनजारे के विशाल मकबरे स्थित हैं। वहीं पर स्कीनर की दो बेगमों के जुड़वां मकबरे भी बने हुए हैं। इनमें फारसी भाषा में शिलालेख अंकित हैं। यद्यपि ऐतिहासिक किला संरक्षित होने के बावजूद खंडहर बन चुका है, लेकिन जार्ज थॉमस द्वारा निर्मित हौज, बारूद खाना व बाह्य चौकियां आज भी दर्शनीय हैं, जोकि हांसी के प्राचीन इतिहास के साक्षी हैं।

लोकगायन की सशक्त आवाज़ राजबाला बहादुरगढ़

कलाकार | अंकुर शर्मा

हरियाणवी लोकगीतों ने वैश्विक स्तर पर अपनी अमिट पहचान बनायी है। इसके लिए अनेक कवियों और कलाकारों का महनीय योगदान रहा है। एक समय जब हरियाणवी रागनी के क्षेत्र में पुरुष गायकों का बोलाबाला था और महिलाओं की उपस्थिति को संदेह और वर्जनाओं की दृष्टि से देखा जाता था, राजबाला ने न केवल माइक थामा, बल्कि अपनी बुलंद और आत्मविश्वासी आवाज़ से पुरुष-प्रधान गायकी के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। राजबाला का जन्म हरियाणा के सोनीपत जिले के गांव सरथल में हुआ। ठेठ ग्रामीण परिवेश, सीमित संसाधन और साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि में पली-बढ़ी 'बाला' का बचपन खेतों की पगडंडियों, पशुओं की घंटियों और माँ की लोरियों के बीच बीता। औपचारिक शिक्षा भले ही अधिक न हो पाई हो, लेकिन प्रकृति और लोकजीवन ने उन्हें जो शिक्षा दी, वही उनकी असली पाठशाला बनी।

रेडियो पर बजने वाली रागनियां उनके मन में सुरों का पहला बीज बोती थीं। वह काम करते हुए, चारा काटते हुए या चूल्हे के पास बैठी-बैठी उन धुनों को गुनगुनाती रहतीं। पर उस दौर में बेटियों का ऊंचे स्वर में बोलना भी मर्यादा के विरुद्ध माना जाता था, मंच पर गाना तो दूर की बात थी। फिर भी उनके भीतर कहीं यह विश्वास पल रहा था कि सुरों से जुड़ा यह रिश्ता एक दिन उन्हें उनकी मंज़िल तक पहुंचाएगा। विवाह के बाद 'बाला' बहादुरगढ़ आकर बस गयी। सामान्यतः यह वह मोड़ होता है जहां अधिकांश बेटियों के सपने घरेलू जिम्मेदारियों में दबकर रह जाते हैं, पर उनके लिए यह नया जीवन एक नई कर्मभूमि बना। राजबाला बताती हैं कि पति रणबीर सिंह के सहयोग के प्रति कृतज्ञता जताने के लिए उन्होंने अपना नाम 'बाला' से राजबाला कर लिया, वहीं बहादुरगढ़ से उनके नाम के साथ 'बहादुरगढ़' जुड़ा और धीरे-धीरे वही उनकी पहचान बन गया। 2004 के आसपास उन्होंने मंचों पर कदम रखा। उस समय रागनी मंचों पर पुरुष गायकों का ही बोलबाला था। पंडित लख्मीचंद और मेहर सिंह की परंपरा को आगे बढ़ाने वाले दिग्गज कलाकारों के बीच एक घूंघट में खड़ी महिला का गाना समाज के लिए किसी आश्चर्य से कम नहीं था। राजबाला स्वयं कहती हैं "शुरुआत में बहुत ताने सुनने पड़े। लोग कहते थे कि बहू होकर मंच पर गाना शोभा नहीं देता लेकिन मेरे पति और परिवार ने मुझ पर विश्वास किया। उसी विश्वास ने मुझे समाज के डर से ऊपर उठना सिखाया।" यह समर्थन उनके संघर्ष की सबसे बड़ी ताकत बना। घर, बच्चे और जिम्मेदारियों के साथ-साथ उन्होंने सुरों की साधना जारी रखी और हर मंच पर खुद को बेहतर साबित करती चली गईं।

वर्तमान हरियाणा सरकार द्वारा संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें बहादुरगढ़ नगर परिषद् के लिए पार्षद मनोनीत किया गया है। प्रसिद्ध फल्गु लोककला महोत्सव में प्रस्तुति को राजबाला अपनी उपलब्धि मानती हैं। देश की सैकड़ों सांस्कृतिक संस्थाएं उन्हें सांस्कृतिक योगदान के लिए सम्मानित कर चुकी हैं। लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचने के बावजूद राजबाला की सादगी आज भी वैसी ही है। न दिखावा, न अहंकार- बस अपनी माटी से जुड़ा एक सरल व्यक्तित्व। वह मानती हैं कि रागनी केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि लोकजीवन का आईना है, जिसमें समाज अपनी अच्छाइयों और कमज़ोरियों को देख सकता है। वास्तव में राजबाला बहादुरगढ़ केवल एक लोकगायिका ही नहीं, बल्कि हरियाणा की सांस्कृतिक चेतना की जीवंत प्रतीक हैं, जिनका लोकगायकी का यह सफर बताता है कि सच्ची प्रतिभा संसाधनों की नहीं, समर्पण और संघर्ष की मोहताज होती।

किस्सा गायकी की पहचान

हिसार के सुशीला भवन में भगत सिंह जयंती पर दी गई पहली प्रस्तुति से शुरू हुआ यह सफर देखते ही देखते प्रदेश भर के मंचों तक जा पहुंचा। राजबाला की गायकी की सबसे बड़ी विशेषता उनकी 'किस्सा परंपरा' है। राजा नल-दमयंती, सत्यवान-सावित्री, हरिश्चंद्र और महाभारत जैसे प्रसंगों को जब वह रागनी में ढालती हैं, तो श्रोता केवल सुनते नहीं, उस कथा में जीने लगते हैं। वे बताती हैं कि 'लोकसंगीत की आत्मा शालीनता में बसती है, फूहड़ता में नहीं। उनका प्रयास गायकी में करुणा, वीर रस, भक्ति और प्रेम समाहित करने का रहता है।' लोकगायकी से मिला सम्मान और पहचान राजबाला विभिन्न टीवी चैनल्स और आकाशवाणी के अनेक केन्द्रों से रागनी की प्रस्तुति देने के साथ-साथ देशभर में लगभग 2500 सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुति दे चुकी हैं।

अहंकारी कार्यकर्ता कभी नेता नहीं बन सकता : रामचंद्र जांगड़ा

■ महम में हुआ भाजपा का हलका स्तरीय अटल स्मृति कार्यकर्ता सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

भारतीय जनता पार्टी महम विधानसभा की एक संगठनात्मक बैठक रविवार को काठमंडी स्थित वाल्मीकि धर्मशाला में हुई। बैठक को राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा समेत कई भाजपा नेताओं ने संबोधित किया। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कार्यकर्ता मीटिंग को संबोधित करते हुए कहा कि अहंकार से ग्रस्त कार्यकर्ता कभी सच्चा नेता नहीं बन सकता। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का आधार सेवा, समर्पण और अनुशासन है। संगठन में वही कार्यकर्ता आगे बढ़ता है, जो कठिन से कठिन जिम्मेदारी को विनम्रता और निष्ठा के साथ निभाता है। रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि पार्टी का सबसे कठिन और ज़मीनी कार्य करने वाले कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत होते हैं। जनहित के मुद्दों को उठाना और आम नागरिक की समस्याओं का समाधान कराना हर भाजपा कार्यकर्ता का पहला धर्म है। एक अच्छे पदाधिकारी की पहचान यही है कि आम जन बिना संकोच उसके पास पहुंचे और वह पूरी मजबूती के साथ उनकी समस्याओं को संबंधित कार्यालयों तक पहुंचाकर समाधान सुनिश्चित करे। उन्होंने देश की सांस्कृतिक चेतना पर जोर देते हुए कहा कि "जिस देश के नागरिक अपनी संस्कृति, परंपराओं और राष्ट्रीय भाषा पर गर्व नहीं करते, वह राष्ट्र कभी वास्तविक प्रगति नहीं कर सकता।" उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपनी भाषा, संस्कृति और सभ्यता के सम्मान के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और कुशाभाऊ ठाकरे जैसे महान नेताओं ने जनसंघ से भाजपा तक संगठन की नींव को त्याग, तपस्या और विचारधारा से मजबूत किया, उसी मार्ग पर चलकर भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है।

महम। मीटिंग में भाग लेते हलका महम के भाजपा कार्यकर्ता और उन्हें संबोधित करते राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा। फोटो : हरिभूमि

मोदी सरकार की 11 वर्षों में ऐतिहासिक उपलब्धियां : रणवीर ढाका

बैठक में जिला अध्यक्ष एडवोकेट रणवीर ढाका ने केंद्र की मोदी सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियों को आंकड़ों के साथ रखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने सुशासन, सेवा और राष्ट्रहित के क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन देखा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देशभर में 4 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को पक्के मकान, जल जीवन मिशन के माध्यम से 14 करोड़ से अधिक ग्रामीण घरों तक नल से जल और उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान किए गए। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत 55 करोड़ से अधिक नागरिकों को 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा मिला है, जबकि जनधन योजना से 50 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोलकर डीबीटी के माध्यम से लाखों करोड़ रुपये की लीकेज रोकी गई है। डिजिटल इंडिया, अनुच्छेद 370 की समाप्ति, तीन तलाक कानून, नया संसद भवन और मजबूत राष्ट्रीय सुरक्षा नीति मोदी सरकार के निर्णायक नेतृत्व के उदाहरण हैं। कार्यकर्ता मीटिंग को भाजपा नेता अजीत अहलावत, राजबीर आर्य, दीपक व शमशेर खरक ने भी संबोधित किया।

खबर संक्षेप

जीव प्रेमियों ने पुलिस को दी शिकायत

बहादुरगढ़। शहर में बेसहारा कुत्तों की नसबंदी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। दयानंद नगर से कुत्तों को उठाने के तरीके और उन्हें शहर से बाहर ले जाने की प्रक्रिया पर जीव प्रेमियों ने गंभीर सवाल उठाते हुए इसे खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाना बताया है। आहत जीव प्रेमियों ने सेक्टर-9 पुलिस चौकी पहुंचकर लिखित शिकायत में दी और मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही बहादुरगढ़ में ही शेल्टर की व्यवस्था कर नसबंदी संबंधित प्रक्रिया पूरी करने पर जोर दिया है।

आंबेडकर स्टेडियम की हालत खस्ता

बहादुरगढ़। बादली रोड स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। स्टेडियम में मूलभूत सुविधाएं व संस्थान तो न के बराबर हैं लेकिन समस्याओं की भरमार है। खेल संसाधनों के बजाय यहां कब्जों, गंदगी व अव्यवस्थाओं का अधिक जोर है।

हरको बैंक के निदेशक बनने पर राजेश कुमार का भव्य स्वागत

रोहतक। दि हरियाणा राज्य सहकारी शीर्ष बैंक लिमिटेड (हरको बैंक), चंडीगढ़ के निदेशक चुने जाने पर गांव खरैंटी निवासी राजेश कुमार का जिले के ऐतिहासिक गांव लाखनमाजरा स्थित राठी नर्सरी में भव्य स्वागत किया गया। यह कार्यक्रम प्रख्यात समाजसेवी मास्टर ठाठ सिंह राठी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ, जिसमें सैकड़ों गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। दि रोहतक केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड के निदेशक मंडल की बैठक में बहुमत के आधार पर राजेश कुमार को हरको बैंक चंडीगढ़ का निदेशक चुना गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उन्हें फूल मालाओं और गुलदस्तों से सम्मानित किया। राजेश कुमार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की मोदी सरकार और हरियाणा की नायब सरकार जनहित में कार्य कर रही है।

ईस्माइला में किसान मोर्चा भाजपा का टिफिन के साथ मन की बात कार्यक्रम

केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से आय में हुआ इजाफा : कृष्णमूर्ति हुड्डा

■ हरियाणा 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने वाला देश का पहला और एकमात्र राज्य : नवीन ढुल

■ नेताओं ने खेतों में जाकर गन्ना किसानों से मिल ईख की फसल का किया मुआयना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा द्वारा प्राचीन शिव मंदिर, ईस्माइला में टिफिन के साथ मन की बात कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किसानों के साथ बैठकर केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं, कृषि सुधारों और ग्रामीण विकास से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। किसान मोर्चा के जिला महामंत्री भूपेन्द्र खत्री ने कार्यक्रम का संयोजन किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता कृष्णमूर्ति हुड्डा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष नवीन ढुल तथा युवा भाजपा नेता हिमांशु ग्रोवर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। भाजपा जिला उपाध्यक्ष नवीन ढुल ने कहा कि किसानों की 24 फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने वाला हरियाणा देश का पहला और एकमात्र राज्य है। उन्होंने कहा कि किसानों की फसल के खराबे का मुआवजा भी एक सप्ताह के भीतर सीधे किसानों के बैंक खातों में पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम प्रधानमंत्री और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित करता है, जबकि टिफिन के साथ मन की बात जैसे कार्यक्रम संगठन और किसानों के बीच आपसी संवाद को और अधिक मजबूत करते हैं। केंद्र सरकार किसानों की समस्याओं को गंभीरता से समझते हुए समाधान की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। कार्यक्रम के दौरान सभी नेताओं ने खेतों में जाकर गन्ना किसानों से मुलाकात की तथा ईख की फसल का मुआयना किया। किसानों की समस्याओं को सुना गया और उनके समाधान के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर युवा भाजपा नेता हिमांशु ग्रोवर, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष राजकुमार सुनारिया, प्रेमदत्त कौशिक, पवन खत्री, हेमंत, राजीव, विक्की ईस्माइला, बिजेन्द्र चेयरमैन, रमेश सहरावत, राजीव सहरावत, राजेश बंसल, महाबीर धमीजा, जोगेन्द्र पार्षद, कमल, रामनिवास सरपंच गिझी, जसबीर कुलताना, अनिल पूर्व सरपंच हरसगढ़, श्रीनिवास सैनी, सुरेश गिझी, चांदराम हसनगढ़, पवन प्रजापति सहित अनेक किसान, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रोहतक। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता कृष्णमूर्ति हुड्डा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष नवीन ढुल तथा युवा भाजपा नेता हिमांशु ग्रोवर का स्वागत करते ग्रामीण।

किसानों के कल्याण में उठाए ऐतिहासिक कदम

वरिष्ठ भाजपा नेता कृष्णमूर्ति हुड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के कल्याण के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, सिंचाई परियोजनाएं और न्यूनतम समर्थन मूल्य जैसी योजनाओं से किसानों की आय में वृद्धि हुई है और उनका आत्मविश्वास मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों का केंद्र बिंदु किसान और खेती है।

युवाओं की भूमिका कृषि क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण

जिला महामंत्री किसान मोर्चा भूपेन्द्र खत्री ने कहा कि युवाओं की भूमिका कृषि क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे किसानों को आधुनिक तकनीक, डिजिटल प्लेटफॉर्म और नई कृषि विधियों से जोड़ें, ताकि खेती को लाभ का व्यवसाय बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की नींव मजबूत किसान और जागरूक युवा ही हैं।

एमडीएन पब्लिक स्कूल में हुआ विंटर कार्निवल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एमडीएन पब्लिक स्कूल के प्रांगण में आयोजित विंटर कार्निवल हर्षोल्लास, रचनात्मकता एवं सांस्कृतिक वैभव का अनुपम उदाहरण बनकर अत्यंत सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। विद्यालय परिसर में व्याप्त उल्लास, संगीत एवं रंगों की बहुरंगी छटा ने समूचे आयोजन को अविस्मरणीय बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुरेश मलिक एवं विशिष्ट अतिथि , जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिककी गरिमामयी उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों से लेकर वरिष्ठ कक्षाओं तक के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत वेस्टर्न नृत्य, ब्राज़ीलियन नृत्य, पंजाबी एवं राजस्थानी लोकनृत्य ने मंच को जीवंत कर दिया। प्रत्येक प्रस्तुति में विद्यार्थियों का आत्मविश्वास, अनुशासन एवं सांस्कृतिक चेतना स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक सत्र 2024–25 में कक्षा दसवीं एवं बारहवीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही विद्यालय की शैक्षणिक दृष्टि, उपलब्धियों एवं आगामी प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी भी अभिभावकों के साथ साझा की गई। कार्निवल के प्रमुख आकर्षणों में रैंप वॉक, लाइव बैंड, फ्रीज डांस, मुक्त नृत्य, त्वरित चित्रकला प्रतियोगिता तथा विभिन्न चरणों में आयोजित लकी ड्रा शामिल रहे, जिनमें अभिभावकों एवं आगंतुकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। प्रधानाचार्या मीनू टहल्यानी कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी।

निरंकार के अनुभव के साथ तीन दिवसीय सुरति योग का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

ओमेक्स सिटी स्थित समर्थगुरु संघ रोहतक के मैडिटेशन सेंटर में चल रहे ओशोधारा के द्वितीय तल के प्रोग्राम सुरति योग का आज समापन हो गया। तीन दिन चले प्रोग्राम में 38 साधकों को निरंकार के अनुभव में उतारा गया।आचार्य बसंत,अनहद,डॉक्टर परमवीर फोगाट एवं आचार्य मां मोनिका ने सुंदर सैशन लिए। समर्थगुरुधाम मुरथल के वरिष्ठ आचार्य दलशेर मलिक ने अंत में फीडबैक सैशन लिया जिसमें साधकों ने अपने अनुभवों को साझा किया और समर्थगुरु सिद्धार्थ औलिया के प्रति अनुभव ज्ञान देने के लिए कृतज्ञता प्रकट की। ताज केन्द्र कोऑर्डिनेटर आचार्य चंद्रभान गहलावत के द्वारा किए गए प्रबंधों को सभी ने सराहा। इस अवसर पर स्वामी नरेश, सुरेश दांगी, रणधीर गहलावत,डॉक्टर कंचन,आचार्या प्रोमिला, प्राचार्य मंजू सहरावत, स्वामी योगेश सोनीपत, अजय, विजय,मोहित,दिव्या व प्रैस मीडिया कोऑर्डिनेटर संदीप नैन इत्यादि मौजूद रहे।

अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर लाहली गांव के शिव मंदिर में स्मृति सम्मेलन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जन्म जयंती के अवसर पर उनके सुशासन, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा के कार्यों को स्मरण करते हुए कलानौर विधानसभा के चारों मंडलों के भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा क्षेत्र के लाहली गांव स्थित शिव मंदिर परिसर में अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक दी रोहतक केन्द्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड के चेयरमैन हरीश कौशिक रहे, जबकि मंच संचालन जिला महामंत्री अभिनन्दन भारद्वाज ने किया।

भाजपा नेत्री रेनू डाबला ने एसआईआर को लेकर कांग्रेस की प्रतिक्रिया पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा की जनहितकारी नीतियों और मजबूत फैसलों से विपक्ष बौखलाया हुआ है। जिला प्रभारी सतेन्द्र परमार ने संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन देते हुए कहा कि चुनावी सफलता का आधार मजबूत बूथ संगठन है। उन्होंने बूथ सशक्तिकरण, मेरा बूथ सबसे मजबूत और बूथ जीता, चुनाव जीता के मंत्र को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने बूथ की जिम्मेदारी गंभीरता से निभानी होगी। इस अवसर पर जिला महामंत्री अभिनन्दन शर्मा, जिला सह-मीडिया प्रभारी पं. लोकेश शर्मा, कुलदीप कौशिक, गीता आल्हयाण, दिनेश धनखड़, भूप सिंह, रिंकू नागर, प्रतुल आनंद, पार्षद सन्नी कलानौर, सन्नी मिगलानी, पूर्व पार्षद गीता, सरपंच चुन्नीलाल, भगवत शर्मा आदि मौजूद रहे।

रोहतक। आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल। फोटो : हरिभूमि

पूर्व प्रधानमंत्री की नीतियां बताईं

सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने कार्यकाल में सुशासन, पारदर्शिता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अनेक ऐतिहासिक जनकल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना, सर्व शिक्षा अभियान और दूरसंचार क्षेत्र में किए गए सुधार देश की मजबूत आधारशिला बने। उन्होंने कहा कि अटल जी की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं था और उनका जीवन आज भी प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए प्रेरणास्रोत है।

युवाओं के नए आइडिया स्टार्टअप के माध्यम से रोजमर्रा के जीवन में कर रहे बदलाव : डॉ अशोक कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ पारंपरिक कलाएं समाज की प्रगति का माध्यम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के दौरान कलानौर विधानसभा क्षेत्र के गांव रिटौली के बूथ नंबर 179 पर बूथ अध्यक्ष सुंदर सिगरोह के आवास पर कार्यक्रम सुना गया। इसके उपरांत भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ अशोक कुमार रंगा ने कहा कि आज के एपिसोड में प्रधानमंत्री द्वारा युवाओं को नए आइडिया के साथ स्टार्टअप आरम्भ करने और आइडिया का इस्तेमाल रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने बारे चर्चा करना निश्चित रूप से समाज में एक सकारात्मक परिवर्तन लाता है। प्रधानमंत्री ने युवाओं को नए आइडिया के साथ स्मार्ट इंडिया हैकथान में हिस्सा लेने की अपील की। यह एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण का संकल्प है तथा ऐसे मंच, आइडिया को एक्शन में बदलते हैं। जहां 80 से अधिक विभागों 270 से ज्यादा समस्याओं पर छात्रों ने काम किया है। जिनमें ट्रैफिक, डिजिटल बैकिक तथा साइबर सिक्योरिटी से जुड़े कुछ रोचक सुझाव भी शामिल हैं।

उन्होंने बताया प्रधानमंत्री द्वारा दुबई में कन्नड़ पाठशाला का आरम्भ होने की चर्चा मन की बात कार्यक्रम में करना, जहां बच्चों को कन्नड़ पढ़ना और लिखना सिखाया जाता है जिससे हजारों लोग जुड़े हैं, एक भारतीय भाषा के लिए गर्व का विषय है।

श्रीबालाजी धाम डोभ पहुंची श्रीराम सेवा मंडल की विशाल पद यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भिवानी रोड स्थित श्रीबालाजी धाम, गांव डोभ में रविवार को श्रीराम सेवा मंडल जवाहर नगर रोहतक और शनि देव मित्र मंडल रोहतक की ओर से विशाल पद यात्रा श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ पहुंची। श्री बालाजी धाम डोभ के संस्थापक प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री राम सेवा मंडल जवाहर नगर द्वारा यह पद यात्रा आयोजित की गई।

पद यात्रा की शुरुआत सुबह जवाहर नगर स्थित बालाजी फोल्डिंग वाली गली से हुई। यात्रा का शुभारंभ श्री बालाजी धाम के संस्थापक प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल तथा रामा आश्रम से पधारे रामानुज दास महाराज ने नारियल फोड़कर और हरी झंडी दिखाकर किया। इसके बाद डीजे, ढोल-नगाड़ों की थाप और जय श्री राम के गगनभेदी जयकारों के बीच पद यात्रा अशोका चौक, मानसरोवर पार्क, छोटू राम चौक और दुर्गा भवन भिवानी स्टैंड से होती हुई श्री बालाजी धाम डोभ पहुंची। पद यात्रा के मार्ग में श्रद्धालुओं के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। धाम पहुंचने पर श्री राम सेवा मंडल की ओर से भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। प्रत्येक रविवार को शनि देव मित्र मंडल तेज कॉलोनी रोहतक एवं भक्तजनों द्वारा श्री दुर्गा भवन मंदिर भिवानी स्टैंड से सुबह 10 बजे पैदल ध्वजा यात्रा श्री बालाजी धाम डोभ के लिए निकाली जाती है। धाम पर हर रविवार दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक सुंदर संकीर्तन, कढ़ी-चावल भंडारा तथा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाता है।

रोहतक। श्रीबालाजी धाम, गांव डोभ में कार्यक्रम को सम्बोधित करते प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। कार्यक्रम को सम्बोधित करते शहरी जिला अध्यक्ष कुलदीप केडी।

कांग्रेस ने हर्षोल्लास के साथ मनाया 140वां स्थापना दिवस

रोहतक। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के अवसर पर रोहतक जिला कांग्रेस मुख्यालय में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान शहरी जिला अध्यक्ष कुलदीप के.डी. और ग्रामीण जिला अध्यक्ष बलवान रंगा के नेतृत्व में ध्वजारोहण किया गया तथा कांग्रेस पार्टी की गौरवशाली विरासत को स्मरण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। शहरी जिला अध्यक्ष कुलदीप के.डी. ने अपने संबोधन में कहा कि 28 दिसंबर 1885 को स्थापित कांग्रेस पार्टी ने देश की आजादी की लड़ाई से लेकर आधुनिक भारत के निर्माण तक ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। 140 वर्षों की यह यात्रा कांग्रेस की अटूट विचारधारा, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनसेवा के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और कांग्रेस की नीतियों को आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। ध्वजारोहण के बाद जिला मुख्यालय पर एक महत्वपूर्ण बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें संगठनात्मक मजबूती और आगामी राजनीतिक चुनौतियों पर चर्चा की गई। ग पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आईआईटी और एम्स जैसे संस्थान स्थापित किए, लाल बहादुर शास्त्री ने 'जय जवान, जय किसान' का नारा दिया, इंदिरा गांधी ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण और 1971 की ऐतिहासिक विजय दिलाई, राजीव गांधी ने सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति लाई और डॉ. मनमोहन सिंह ने आर्थिक उदारीकरण व मनरेगा जैसी योजनाओं से करोड़ों लोगों को लाभ पहुंचाया।

खिलाड़ी दीपक ने 5 विकेट लेकर जीता मैन ऑफ द मैच का खिताब

झज्जर। रिलायंस मॉडल इकोनॉमिक टाउनशिप एवं रिलायंस फाउंडेशन द्वारा एमईटी क्रिकेट ग्राउंड सेक्टर-5 में आयोजित दस दिवसीय धीरूभाई अंबानी क्रिकेअ टूर्नामेंट में 28 गांवों व विभिन्न कंपनियों की टीमों ने भाग लेकर अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला दरियापुर एवं सिलानी गांव की टीमों के बीच खेला गया। फाइनल मैच में टॉस जीतकर दरियापुर की टीम ने पहले फिल्डिंग करने का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करते हुए सिलानी गांव की टीम ने 12 ओवर में 74 रन बनाकर लक्ष्य निर्धारित किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए दरियापुर गांव की टीम ने 2 विकेट शेष रहते हुए 75 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। दीपक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट हासिल किए और उन्हें मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
❖ Nursing Staff 4
❖ ICU Staff 6
❖ PRO/Marketing Executive 6
❖ Ward Boy 2
❖ Gate Keeper 2
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
Latest MRI & Multi Slice CT SCAN
◆ Neuro Surgery
◆ General Medicine
◆ General Surgery
◆ Orthopedics
◆ ब्रेन, रीढ़ की हडिड्यों का ईलाज
◆ दूरबीन द्वारा सभी बिमारियों के ऑपरेशन
◆ पेट, छाती से सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज
फौजी भाईयों का इलाज फ्री
ECHS
• हरियाणा सरकार
• आयुष्मान भारत
• ESIC
के पैनल पर
DR. BALKISHAN GOEL
M.B.B.S, M.S, M.CH.
TRAUMA CENTRE, ICU & CRITICAL CARE
NEURO-ICU, GENERAL ICU, HOU (HIGH DEPENDANCY UNIT) जहर POISIONING CASE
24 HRS LAB/CAFE/PHARACY/AMBULANCE

महम में पानी की निकासी को लेकर तनाव, घरों के आगे जमा हुआ गंदा पानी

महम। मदीना गिंधराण द्वितीय में निकासी न होने की वजह से गली में जमा गंदा पानी।

- दोनों पक्ष अपने आप को सही ठहरा रहे, ग्रामीणों का जीना हुआ दुभर
- डीसी व एसपी कार्यालय तक पहुंचा विवाद, एक दूसरे को दबंग बता दोनों पक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

मदीना गांव में गली के पानी की निकासी को लेकर दो पक्षों में तनाव का माहौल बना हुआ है। यदि प्रशासन ने दोनों पक्षों की बात को सुनकर कोई उचित हल नहीं निकाला तो वहां पर कोई भी जान माल का नुकसान हो सकता है। दोनों ही पक्षों के लोग एक दूसरे से जान का खतरा बता रहे हैं। एक पक्ष के लोग गांव की सरपंच अंजु देवी के पति राजा शर्मा को दबंग बता रहे हैं, वहीं राजा शर्मा दूसरे पक्ष के लोगों पर दबंगई करने का आरोप लगा रहे हैं। गली निर्माण कार्य के दौरान शुरू हुआ यह विवाद अब कम होने की बजाए बढता जा रहा है। अब हालात यह हैं कि पिछले कुछ दिन से गली का गंदी पानी घरों के सामने जमा हो गया है। गली में दुर्गंध फैली हुई है, जिस वजह से लोगों का जीना दुभर हो गया है। पंचायत समिति महम के पूर्व चेयरमैन सुनील कुमार उर्फ कल्लू का कहना है कि सरपंच ने नीची गली के सामने गली को ऊंचा उठा दिया है और वहां पर मिट्टी डालकर गली का पानी रोक दिया गया है। वहीं सरपंच अंजू देवी के पति राजा शर्मा का कहना है मिट्टी डालकर पानी को दूसरे पक्ष के लोगों ने ही बंद किया है। मामला यह है कि गिंधराण द्वितीय ग्राम पंचायत गांव में शिवालय कुंआ से लेकर मोखरा मोड़ तक आने वाली गांव की मुख्य गली का निर्माण करवा रही है। इस गली के पानी निकासी को लेकर ग्रामीण दो मत हो गए हैं। ग्राम पंचायत जहां से गली का पानी निकाल रही है, इस बात को लेकर दूसरे पक्ष के लोगों को एतराज है। दोनों ही पक्ष पानी निकासी को लेकर अपनी बात को तर्क संगत बता रहे हैं। गंदे पानी की निकासी कहां से हो इस बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच मूंछ का सवाल बना हुआ है। सरपंच ने इस संबंध में गांव के कई लोगों की पुलिस में शिकायत दी है। वहीं दूसरे पक्ष के लोगों ने भी जिला उपायुक्त व एसपी को शिकायत दी हैं। विवाद बढ़ जाने की वजह से फिलहाल काम रुका हुआ है।

- बहु अकबरपुर थाना पुलिस से सुरक्षा की मांग कर रहे दोनों पक्षों के लोग

गली निर्माण विवाद से बढ़ा गांव में तनाव

हालांकि जिला प्रशासन ने गली निर्माण को सम्पन्न करवाने के लिए पुलिस बल भी भेजा था और ड्यूटी मैजिस्ट्रेट भी नियुक्त किया था। लेकिन गली का निर्माण कार्य आगे नहीं बढ सका। जिला व उपमंडल प्रशासन को इस मामले में हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों की बात को सुनकर उचित समाधान करना चाहिए। ताकि गांव में विवाद से उत्पन्न हुए आपसी तनाव को कम किया जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि वैसे तो पिछले 9 महीने से गली के पानी की निकासी को लेकर समस्या है, लेकिन पिछले तीन दिन से तो हालात ऐसे हो गए हैं, कि घरों से निकलना दुभर हो गया है।

खबर संक्षेप

रोहतक रचनाकार मंच ने की साहित्यिक गोष्ठी

रोहतक। रोहतक रचनाकार मंच के सौजन्य से एक साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मधुकांत ने शिरकत की तथा अध्यक्षता खरावड़ से पधारे साहित्यकार कर्ण सिंह कर्ण ने की। मां सरस्वती की वंदना उपरांत सर्वप्रथम रोहतक के वरिष्ठ साहित्यकार रामधारी खटकड़ के निधन पर दुख प्रकट करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। देश के जाने माने साहित्यकार डॉ. विनोद कुमार शुक्ल के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उनके योगदान को याद किया गया व श्रद्धांजलि अर्पित की। छायावाद के प्रमुख स्तम्भ प्रकृति सौंदर्य व मानवीय संवेदनाओं के चितेरे कवि स्व. डॉ. सुमित्रानंदन पंत की पुण्यतिथि पर उनके साहित्यिक अवदान की चर्चा करते हुए उनकी पुनीत स्मृति को नमन किया गया।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार का किया विरोध

सोनीपत। सोनीपत में रविवार को सुभाष चौक पर जन सेवा परिषद के मुख्य पदाधिकारियों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे कथित अत्याचारों के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश मुर्दाबाद के नारे लगाए और विरोध स्वरूप बांग्लादेश के झंडे के साथ वहां के प्रधानमंत्री का फोटो जलाया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हिंदू समुदाय के खिलाफ हो रहे घटनाक्रमों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आवाज उठाई जानी चाहिए और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

कई स्थानों पर घरों के पास से 11 केवी की लाइनें गुजर रही थीं

रेजिडेंशियल एरिया से हटाई हाइटेंशन लाइनें

हादसों पर लगा ब्रेक, 41 हाइटेंशन लाइनें सफलतापूर्वक हटा दी गई हैं जबकि महम क्षेत्र में एक रेजिडेंशियल लाइन को हटाना अभी शेष है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर और कस्बों के रेजिडेंशियल एरिया में वर्षों से गुजर रही हाइटेंशन बिजली लाइनों के कारण लगातार हादसे हो रहे थे। इन हादसों में कभी करंट लगने से जान का खतरा बना, तो कभी निर्माण कार्य और दैनिक गतिविधियों के दौरान लोग गंभीर रूप से घायल हुए। नागरिकों की लगातार शिकायतों और जनप्रतिनिधियों की मांग के बाद बिजली निगम द्वारा एक बड़ा और सराहनीय कदम उठाया गया है।

रेजिडेंशियल क्षेत्रों से कुल 42 हाइटेंशन बिजली लाइनों को हटाने और शिफ्ट करने की योजना बनाई गई थी। इनमें से 41 हाइटेंशन लाइनें सफलतापूर्वक हटा दी गई हैं, जबकि महम क्षेत्र में एक रेजिडेंशियल लाइन को हटाना अभी शेष है। इस कार्रवाई से लोगों ने राहत की सांस ली है और लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान होता दिखाई दे रहा है। बिजली निगम के अधिकारियों के मुताबिक रेजिडेंशियल इलाकों में हाइटेंशन तारों की मौजूदगी तकनीकी और सुरक्षा दोनों ही दृष्टि से बेहद खतरनाक थी। कई स्थानों पर घरों की छतों के बेहद नजदीक से 11 केवी की लाइनें गुजर रही थीं, जिससे मामूली लापरवाही भी बड़े हादसे में बदल सकती थी। बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती थी, जब तारों के संपर्क में आने से करंट फैलने का खतरा बना रहता था। इसी को ध्यान में रखते हुए 11 केवी की लाइनों को रेजिडेंशियल एरिया से बाहर शिफ्ट किया गया है। इन लाइनों को अब सुरक्षित दूरी पर ले जाया गया है, ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। विभाग का कहना है कि यह कार्य चरणबद्ध तरीके से किया गया, ताकि बिजली आपूर्ति बाधित न हो और लोगों को असुविधा कम से कम हो।

लोगों ने किया निर्णय का स्वागत

स्थानीय निवासियों ने इस निर्णय का स्वागत किया है। लोगों का कहना है कि हाइटेंशन लाइनों के कारण वे हमेशा डर के साये में रहते थे। बच्चों का घरों की छतों पर खेलना तक मुश्किल हो गया था। अब लाइनों के हटने से न केवल सुरक्षा बढ़ी है, बल्कि रेजिडेंशियल इलाकों में विकास कार्यों को भी गति मिलेगी। कुल मिलाकर रेजिडेंशियल क्षेत्रों से हाइटेंशन लाइनों को हटाने की यह पहल जनसुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल हादसों पर रोक लगेगी, बल्कि लोगों को सुरक्षित और बेहतर जीवन वातावरण भी मिलेगा।

बाकी भी जल्द हटेंगी

हालांकि महम क्षेत्र में अभी एक रेजिडेंशियल हाइटेंशन लाइन को हटाना बाकी है। विभागीय अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही इस लाइन को भी शिफ्ट कर दिया जाएगा। इसके लिए सर्वे और तकनीकी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। जैसे ही आवश्यक स्वीकृतियां मिलेंगी, कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

यह बोले अधिकारी

रेजिडेंशियल क्षेत्रों से कुल 42 हाइटेंशन बिजली लाइनों को हटाने और शिफ्ट करने की योजना बनाई गई थी। इनमें से 41 हाइटेंशन लाइनें सफलतापूर्वक हटा दी गई हैं। महम क्षेत्र में अभी एक रेजिडेंशियल हाइटेंशन लाइन को हटाना बाकी है, उसे भी जल्द हटवा दिया जाएगा। इससे लोगों को भी काफी राहत मिली है।

-बिजेंद्र नरवाल, अधीक्षण अभियंता, बिजली निगम

'कुकड़ू-कू फेस्ट' में लगभग 500 बच्चों ने बिखेरे अपनी प्रतिभा के रंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पठानिया पब्लिक स्कूल में 'कुकड़ू-कू फेस्ट' का अत्यंत उत्साहपूर्वक भव्य और उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। इस फेस्ट में प्री-नर्सरी से लेकर कक्षा 8वीं तक के लगभग 500 बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को दो श्रेणियों 'पठानिया पब्लिक स्कूल छात्र' और 'आउटसाइडर्स' (अन्य स्कूलों के बच्चे) में विभाजित किया गया था, जिससे प्रतियोगिता का रोमांच और बढ़ गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती की वंदना और मुख्य अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। मंच का कुशल संचालन और अपनी ऊर्जा से समां बांधने का काम एंकर्स कोमल भुट्टन, कनिका चुघ, रश्मि राहा और सोनम गुप्ता ने किया। बच्चों ने रैंप वॉक, सोलो डांस, फैंसी ड्रेस, यू हैव गॉट टेलेंट, रोहतक सिटी जीनियस और कविता पाठ के जरिए अपनी कला बिखेरी। वहीं 'शार्क टैंक' में नन्हे बच्चों ने अपने बिजनेस आइडियाज साझा किए। इन प्रतियोगिताओं के निष्पक्ष निर्णय के लिए शहर की दिग्गज हस्तियों को आमंत्रित किया गया था।

वाई. जी. टी. के निर्णायक मंडल में सुप्रिया और साहिल पसरीजा, शार्क टैंक-हनी जैन और अंकित गिरधर। कविता पाठ-पल्लवी हांडा और आरती मिगलानी। फैंसी ड्रेस एवं सोलो डांस-पारुल खत्री, सुकर्मा जग्गा, मिनाक्षी मेहता, डॉ. नीरा अत्री, श्वेता चुघ, नेहा शर्मा, सेजल गाबा, रीमा अरोड़ा, दीपिका, करीना, कृतिका डावरा और तेरा त्रिगुण रहे।

प्रतियोगिताओं के साथ-साथ परिसर में लगाए गए विभिन्न गेम स्टॉल्स, फूड स्टॉल्स, पांडा, गोरिल्ला, यूनिसाइकिल, जगलर आदि बच्चों और अभिभावकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। बच्चों ने विभिन्न खेलों का आनंद लिया और स्वादिष्ट व्यंजनों का जमकर लुत्फ़ उठाया। कार्यक्रम के अंत में विजेता बच्चों को स्कूल प्रबंधन की ओर से प्रमाण- पत्र और ट्राफी देकर सम्मानित किया गया।

जैन स्कूल में वार्षिक उत्सव धूमधाम से संपन्न

रोहतक। जैन सभा रजि संचालित जैन पब्लिक स्कूल, माता दरवाजा जींद रोड, जैन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बड़ा बाजार तथा जैन कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय किला रोड का संयुक्त वार्षिक उत्सव जैन पब्लिक स्कूल के प्रांगण में भव्य रूप से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जैन सभा रोहतक के प्रधान रवि जैन ने की। इस अवसर पर राजेश जैन, एमडी एल.पी.एस. बोसार्ड, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। ऑपरेशन सिंदूर, "स्वच्छ भारत" और "विकसित भारत" विषयों पर आधारित प्रस्तुतियां कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहीं। जैन सभा के महामंत्री मनीष जैन ने बताया कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम में उपप्रधान अतुल जैन (लोहिया), कोषाध्यक्ष मुकेश जैन, सह सचिव अमित जैन सहित जैन सभा के शासकीय निकाय, कॉलेजियम सदस्य और अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

रोहतक। कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यअतिथि एमडी एल.पी.एस. बोसार्ड राजेश जैन, प्रधान रवि जैन, अतुल जैन, मुकेश जैन व अन्य गणमान्य सदस्य। फोटो हरिभूमि

जीडी गोयनका स्कूल के छात्रों ने स्केटिंग व रोलर बास्केटबॉल में रचा इतिहास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने स्पीड स्केटिंग एवं रोलर बास्केटबॉल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यार्थियों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय में हर्ष और गर्व का माहौल है।

स्पीड स्केटिंग प्रतियोगिता में अंडर-9 वर्ग में शुभम तथा आदित्य ने स्वर्ण पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। रजत पदक आर्यन, आरव रमन और ध्रुव यादव ने प्राप्त किया, जबकि कांस्य पदक सात्विक, अर्नव, अभिमन्यु और रामनदीप के नाम रहा। रोलर बास्केटबॉल प्रतियोगिता में विद्यालय की टीमों ने भी अपना परचम लहराया। अंडर-14 टीम ने स्वर्ण पदक जीतकर शानदार विजय दर्ज की।

टीम ने जीते स्वर्ण पदक

इस टीम में रामनदीप, हिरांश, रियान्श, रक्षित, प्रिंस, शुभम, शौर्य, सात्विक, मानवीर सिंह, अवि, आर्यन एवं सैमसन शामिल रहे। वहीं अंडर-17 रोलर बास्केटबॉल टीम ने भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया। टीम के सदस्य रहे अर्नव, सार्थक, ध्रुव, अभिमन्यु, आदित्य, आरव रमन, हेमंत और आरव सिंह। विद्यालय के डायरेक्टर विक्रांत मायना एवं सान्या मायना ने इस शानदार सफलता के लिए सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए स्केटिंग कोच श्री शिव के मार्गदर्शन, समर्पण और अथक प्रयासों की सराहना की। सह निदेशक हिमांशु गुप्ता ने बताया कि खिलाड़ियों की इस शानदार जीत ने जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल को गर्व से भर दिया है।

कांग्रेस ने जनता से विश्वासघात किया : अभय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इनेलो सुप्रीमों चौधरी अभय सिंह चौटाला ने आरोप लगाया कि पूर्व सीएम हुड्डा ने नेता प्रतिपक्ष बनने व जेल जाने के डर से प्रदेश की जनता के साथ विश्वासघात किया और तीसरी बार भाजपा की सरकार बनवाई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने बड़े बड़े आंदोलन कर भाजपा के खिलाफ माहौल बनाया था, लेकिन कांग्रेस व जजपा ने अपने निजी स्वार्थो के चलते भाजपा के आगे सरेंडर कर दिया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा की सरकार चाहती ही नहीं थी और इसी लिए जनता ने कांग्रेस की सरकार पूरी तरह से बनाने का मन बना लिया था, लेकिन पूर्व सीएम हुड्डा ने जनता के साथ धोखा किया और जानबूझ कर ऐसे लोगों को टिकट दी, जिन्हें लोग पंसद ही नहीं करते थे। इनेलो सुप्रीमों चौधरी अभय सिंह चौटाला रविवार को जींद बाईपास पर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व भाजपा आपस में मिले हुए हैं। प्रदेश में भूमाफियों का राज है।

महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार व बिगड़ती कानून व्यवस्था से प्रदेश की जनता परेशान है। उन्होंने कहा कि 2019 में भाजपा के खिलाफ लोगों में भारी रोष था। अभय सिंह चौटाला ने कहा कि इनेलो की सरकार बनते ही प्रदेश से बदमाशों को बाहर किया जाएगा, भ्रष्टाचार पर अंकुश व हर घर में एक परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी। इनेलो के राष्ट्रीय संरक्षक चौधरी सम्पत सिंह ने भी पूर्व सीएम हुड्डा पर निशाना साधा और कहा कि हुड्डा ने छलकपट कर व जेल जाने के डर से भाजपा का सहयोग कर सरकार बनवाने का काम किया है।

रोहतक। जींद बाईपास पर सम्मेलन में मौजूद इनेलो सुप्रीमों अभय चौटाला, इनेलो के राष्ट्रीय संरक्षक चौधरी सम्पत सिंह व अन्य।

लोगों ने थामा इनेलो का दामन

इनेलो महासम्मेलन में छोटूराम ट्रस्ट के चेयरमैन रणबीर सिंह ओहल्याण, जितेन्द्र ठेकेदार, कपिल ठेकेदार, शमशेर, विवेक, कुलदीप नरवाल, प्रेम फौगाट, प्रवेश पहलावन, कृष्ण खत्री, विष्णु पवार, संतरा, शीला, रोशनी, निशा, बीमला, गीता, अंकित हुड्डा, दिलबाग प्रजापत, तस्वीर हुड्डा, अनूप खान, रामकुमार हुड्डा, कमलेश, सुमन, नरेश, शांति, चन्द्रपति, मोहित कौशिक, राहुल मलिक, अशोक देशवाल, प्रियांशु वशिष्ट, कैप्टन सुमेर, मुकुल भारद्वाज, आकाश वशिष्ट, वेद सरपंच आदि इनेलो में शामिल हुए।

पठानिया स्कूल में एनएसएस कैंप के पांचवें दिन स्लोगन राइटिंग गतिविधि का आयोजन

रोहतक। पठानिया पब्लिक स्कूल में चल रहे एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना) कैंप के पांचवें दिन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए स्लोगन राइटिंग की रचनात्मक गतिविधि का आयोजन किया गया। इस गतिविधि में छात्रों ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक जागरूकता एवं राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर प्रभावशाली स्लोगन लिखकर अपनी सोच और रचनात्मकता का परिचय दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्या ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां छात्रों में सामाजिक जिम्मेदारी और आत्मविश्वास को बढ़ावा देती हैं। एनएसएस प्रभारी यूनिट -1 के अध्यक्ष मोहनलाल व यूनिट -2 की अध्यक्ष नीतू सेठी ने विद्यार्थियों को निरंतर समाज सेवा और रचनात्मक कार्यों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर स्कूल को-फाउंडर वर्षा पठानिया, स्कूल निदेशक अंशुल पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उपप्रधानाचार्या प्रीति ढांडा, सुनीता मोर व समन्वयक आलोक हुड्डा ने सभी स्वयंसेवकों को इसी तरह टीमवर्क करने और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

जीवन का परम लक्ष्य परमात्मा की प्राप्ति करके लोक सुखी परलोक सुहेला करना है: डॉ. रीटा

शिविर में 180 ने करवाया पंजीकरण 141 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलानौर

सन्त निरंकारी मिशन द्वारा भिवानी जोन के अन्तर्गत कलानौर कस्बे में स्थित सन्त निरंकारी सत्संग भवन में आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) से पधारे प्रचारक बहन डॉ रीटा यादव की पावन अध्यक्षता में तथा भिवानी जोन के जोनल इन्चार्ज बलदेव राज नागपाल की देखरेख में रक्तदान शिविर एवं सन्त समागम का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारम्भ उप मंडल अधिकारी (नागरिक) आशीष कुमार ने किया। इस कार्यक्रम में कलानौर कस्बे तथा आस पास के क्षेत्रों से निरंकारी सन्तों के साथ -साथ काफी संख्या में अन्य प्रेमी महानुभावों ने भी उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढाई। इस अवसर पर विशेष रुप से राज कुमार फौजी चेयरमैन नगरपालिका कलानौर, महन्त कमल, प्रधान व्यापार मंडल कलानौर बंटी, महन्त रघुनाथ दास महाराज टिकाना सती भाई सांई दास महाराज, सन्नी टिकाना जोधसचियार भी उपस्थित थे। सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं श्रद्धेय निरंकारी राजपिता के पावन आशीर्वाद से रक्तदान शिविर में पीजीआईएमएस से डा. कोमल के नेतृत्व में मेडिकल टीम ने रक्त संग्रह किया। शिविर में 180 रक्तदाताओं ने पंजीकरण करवाया और 141 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

कलानौर। आयोजित शिविर में रक्तदाताओं के साथ एसडीएम आशीष कुमार, चेयरमैन नगरपालिका कलानौर राज कुमार फौजी ,महन्त रघुनाथ दास महाराज टिकाना सती भाई सांई दास महाराज व बहन डॉ रीटा यादव।

सत्संग में ब्रह्मज्ञान और समाजसेवा संदेश

सत्संग कार्यक्रम उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए बहन डॉ रीटा यादव ने कहा कि निरंकारी बाबा हरदेव सिंह महाराज के दिव्य संदेश इन्सान का रक्त नाड़ियों मे बहे सड़कों या नालियों में नहीं को साकार करते हुए रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया है। सन्त निरंकारी मिशन इंसानों को ब्रह्म ज्ञान देकर वास्तविक आध्यात्मिकता का उत्थान कर रहा है और स्वच्छता व पौधरोपण अभियान, नारी सशक्तिकरण, जल संरक्षण जागरूकता अभियान जैसे समाज सेवा तथा शिक्षा के क्षेत्र मे मानव समाज को अनुपम योगदान प्रदान कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि मानव जीवन का परम लक्ष्य परमात्मा की प्राप्ति करके लोक सुखी परलोक सुहेला करना है, यह ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति से ही सम्भव है। उन्होंने कहा कि भक्ति मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए यह आवश्यक नहीं कि हम जिम्मेदारियों से भागें, बल्कि यह आवश्यक है कि हम हर जिम्मेदारी को निरंकार की रजा में स्वीकार करें। ऐसा संतुलित गृहस्थ ही हमें अहंकार से दूर रखता है और विनम्रता की ओर ले जाता है। सत्गुरु माता सुदीक्षा महाराज गृहस्थ में संतुलन बनाकर भक्ति के मार्ग पर चलने की शिक्षा दे रहे हैं तथा रिश्तों को बेहतर तरीके से निभाने की सीख दे रहे हैं। राजेश खेड़ा संयोजक कलानौर ने उपस्थित समस्त मानव परिवार का आभार व धन्यवाद व्यक्त करते हुए सभी के कल्याण की कामना की।